



दिल्ली ने टीबी के खिलाफ अभियान मजबूत किया: स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली ने ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) के खिलाफ अपने अभियान को और मजबूत किया है। राजधानी की इंटरमीडिएट रेफरेंस लेबोरेटरी (आईआरएल) सेंटर को भारत सरकार के सेंट्रल ट्यूबरकुलोसिस डिवीजन (सीटीडी) से पहला सर्टिफिकेशन मिला है। यह सर्टिफिकेशन बेडाक्विलाइन और प्रेटोमैनिड के लिए एडवांस्ड ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (डीएसटी) के लिए है, जो ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी (डीआर-टीबी) के इलाज में महत्वपूर्ण हैं।

इस सर्टिफिकेशन से दिल्ली के मल्टी-ड्रग-रेजिस्टेंट (एमडीआर-टीबी) और एक्सटेंसिवली ड्रग-रेजिस्टेंट (एक्सडीआर-टीबी) मरीजों की डायग्नोसिस और इलाज की क्षमता और मजबूत होगी। पहले एडवांस्ड डीएसटी की जरूरत वाले मरीजों के सैंपल राज्य से बाहर भेजे जाते थे, जिससे इलाज में देरी होती थी। अब दिल्ली में

ही टेस्टिंग होने से मरीजों को तेजी से क्लिनिकल नतीजे मिलेंगे और समय पर इलाज सुनिश्चित होगा। आईआरएल सेंटर देश की सबसे एडवांस्ड लैबों में से एक है। इसमें बीएसएल-3 लैब सुविधा, एमजीआईटी 960, लाइन प्रोब, होल जीनोम सीक्वेंसिंग, टूनेट, पैथोडिटेक्ट और रियल-टाइम पीसीआर जैसी अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध हैं। ये प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय और वैश्विक मानकों के अनुरूप टीबी की सटीक जांच सुनिश्चित करते हैं।

केवल वर्ष 2025 में ही इस लैब ने 30,000 से अधिक सैंपल प्रोसेस किए। दिल्ली ने नेशनल टीबी एलिमिनेशन प्रोग्राम (एनटीईपी) के तहत लगातार उत्कृष्ट नेतृत्व दिखाया है। राजधानी ने डब्ल्यूएचओ द्वारा सुझाए गए बीपीएएलएम रजिमेन पर दिसंबर 2024 से अब तक 1,065 डीआर-टीबी मरीजों को नामांकित किया है।

आईआरएल सेंटर को मान्यता मिली

नई दिल्ली, प्र.सं.। केंद्रीय टीबी डिवीजन (सीटीडी) ने नई दिल्ली टीबी सेंटर के इंटरमीडिएट रेफरेंस लेबोरेटरी (आईआरएल) केंद्र को मान्यता प्रदान कर दी है।

इससे बेडाक्विलिन और प्रीटोमैनिड दवाओं की प्रतिरोधकता की जांच कर ड्रग रेजिस्टेंस टीबी के इलाज में इस्तेमाल हो सकेगा। इससे ड्रग रेजिस्टेंस या मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस (एमडीआर) टीबी के इलाज का परिणाम बेहतर होगा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह का कहना है कि आईआरएल को मान्यता मिलने से टीबी उन्मूलन के अभियान को मजबूती मिलेगी।

DELHI LAB GETS CENTRE'S NOD TO TEST ADVANCED DRUG-RESISTANT TB

HT Correspondent

htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Delhi's Intermediate Reference Laboratory (IRL) at the New Delhi Tuberculosis Centre has received certification from the Central Tuberculosis Division (CTD), Government of India, to conduct drug susceptibility testing (DST) for Bedaquiline (BDQ) and Pretomanid (Pa), said health officials.

The two drugs are used in the treatment of drug-resistant tuberculosis. The approval significantly strengthens Delhi's ability to diagnose multidrug-resistant (MDR-TB) and drug-resistant tuberculosis (XDR-TB).

Until now, patient samples requiring advanced DST were often sent to laboratories outside Delhi, leading to delayed diagnosis and treatment, said officials.

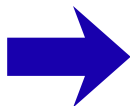
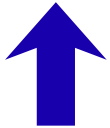
The IRL is equipped with advanced diagnostic infrastructure, including a Biosafety Level-3 (BSL-3) laboratory, MGIT 960 system, Line Probe Assay (LPA), Xpert XDR, Whole Genome Sequencing (WGS), Truenat, PathoDetect and Real-Time PCR platforms.

These facilities enable comprehensive and rapid testing in line with national and global standards. In 2025, the laboratory processed more than 30,000 samples, underscoring its central role in Delhi's TB control efforts, Delhi government said.

Delhi health minister Dr Pan-kaj Kumar Singh said the move would accelerate the capital's TB elimination efforts. "We are ensuring faster and more accurate diagnosis for drug-resistant TB patients. This milestone strengthens our clinical capacity and brings us closer to the goal of a TB-free India," he said.

Punjab Kesari
Delhi Edition

Date:- 13/01/2026



Hindustan
Delhi Edition

Date:- 13/01/2026